B.A. Part - I, Paper - II
Lecture - 23

Dr. Sunita Kumari, Assistant Professor, Marwari college, Darbhanga.

Date 11/5/20

TOPIC weber's theory of Ideal types

महान जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर को सिर्फ एक सैद्धांतिक के रूप में ही नहीं जाना जाता है बल्कि उन्हें समाजशास्त्रीय जगत में अध्ययन के क्षेत्र में विशेष पद्धति के प्रणेता के रूप में भी जाना जाता है। weber के विचार में आदर्श स्वरूप विश्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन के लिए एक बहुत ही उपयोगी अवधारणा है। इसके आधार पर समाजशास्त्री न सिर्फ घटनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण कर सकता है बल्कि उनका तुलनात्मक अध्ययन भी कर सकता है। Lewis coser ने आदर्श स्वरूप को परिभाषित करते हुए कहा है कि "It provides the basic method for comparative study"

Scanned by CamScanner

उदाहरणस्वरूप हम पूँजीवाद के आदर्श प्रारूप का निर्माण कर सकते हैं और इसके आधार पर विश्व के विभिन्न पूँजीवादी समाजों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकते हैं, किसी सामाजिक तथ्य या ऐतिहासिक घटना का जो आदर्श प्रारूप होता है उसे वास्तविक जगत में पाया जाना असम्भव है, क्योंकि यह आदर्श प्रारूप उस घटना का विशुद्ध स्वरूप होता है।

प्रो० पारसन्स ने वेबर के आदर्श प्रारूप की चर्चा करते हुए इसकी कुछ विशेषताओं की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट किया है —

प्रथम बात यह है कि आदर्श प्रारूप किसी सामाजिक घटना की उपकल्पना नहीं है क्योंकि उपकल्पना का सम्बन्ध वास्तविक घटना या समस्या से होता है। अतः इसकी सत्यता की जाँच सम्भव है।

दूसरी बात यह है कि आदर्श प्रारूप वास्तविक घटना या वस्तु का वर्णन मात्र नहीं है

बल्कि उसका विशुद्ध रूप होते है कारण उसे घटना का बढ़ा चढ़ा रूप कहा जा सकता है।

तीसरा यह कि जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है कि आदर्श प्रारूप किसी घटना या वस्तु का औसत रूप भी नहीं होता है।

चौथा यह कि आदर्श प्रारूप किसी वर्ग की घटनाओं की सामान्य विशेषताओं का प्रतिनिधित्व भी नहीं करता है।

वेबर ने जिन विभिन्न प्रकार के आदर्श प्रारूपों का निर्माण किया है उसे Prof. Raymond Aron ने तीन विस्तृत भागों में रखा है जो इस प्रकार है —

I Ideal types of historical Particulars अर्थात् वैसे आदर्श प्रारूप जो किसी विशिष्ट ऐतिहासिक घटना या परिस्थिति से सम्बन्धित हो उदाहरणार्थ आधुनिक पूँजीवाद से सम्बन्धित आदर्श प्रारूप जो एक विशिष्ट ऐतिहासिक घटना थी और जिसका विकास एक विशिष्ट ऐतिहासिक काल में हुआ।

(2) कैसी परिस्थिति या घटना से सम्बन्धित आदर्श प्रारूप जो कि विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा विभिन्न ऐतिहासिक कालों में देखे गए हैं Ex - सामन्तवाद।

(3) मानव क्रियाओं से सम्बन्धित कैसे सिद्धान्त जिन्हें मनुष्य को विशुद्ध रूप से तार्किक मान लिया गया है उदाहरणस्वरूप - आर्थिक क्षेत्र में या विज्ञान के क्षेत्र से सम्बन्धित मानवीय क्रियाएं।

यद्यपि weber ने समाजशास्त्र को आदर्श प्रारूप का एक महत्वपूर्ण अवधारणा प्रदान किया फिर भी उनकी इस अवधारणा और इससे सम्बन्धित विचारों का निम्न आधारों पर आलोचना की गई है -

1. यद्यपि weber ने मानवीय क्रियाओं के अध्ययन में कर्ता के द्वारा क्रिया के लिए दिए गए व्यक्ति के अर्थ के विश्लेषण पर विशेष बल दिया है परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि आदर्श प्रारूप

Scanned by CamScanner

के निर्माण में उन्होंने इस पद्धति का पालन नहीं किया है। विख्यात समाजशास्त्री Schutz जिन्हें आधुनिक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण अथवा Ethnomethodology का जनक माना जाता है, उन्होंने weber की इस पद्धति की आलोचना करते हुए कहा है कि weber के इस पद्धतिशास्त्र में इस बात को ढूंढने का पूर्ण अभाव है कि किस प्रकार समाज के सदस्य सामाजिक तथ्यों तथा अपनी क्रियाओं को अर्थ प्रदान करते हैं।

2. इस सम्बन्ध में दूसरी आलोचना यह है कि आदर्श प्रारूप का निर्माण एवं प्रयोग काफी कठिन है क्योंकि किसी घटना से सम्बन्धित आदर्श प्रारूप के निर्माण के लिए वैज्ञानिक को इस घटना का व्यापक ज्ञान होना आवश्यक है, जैसा कि weber के समाजशास्त्रीय कृतियों से प्रमाणित होता है कि पूंजीवाद या Beureocracy से सम्बन्धित प्रस्तुत किए गए उनके आदर्श प्रारूप के लिए उन्हें इन घटनाओं का गहन अध्ययन करना पड़ा था।

Scanned by CamScanner